**C**

**CCE PR**
**REVISED**

ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರೌಢ ಶಿಕ್ಷಣ ಪರೀಕ್ಷಾ ಮಂಡಳಿ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು – 560 003

**KARNATAKA SECONDARY EDUCATION EXAMINATION BOARD, MALLESWARAM, BANGALORE – 560 003**

ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪರೀಕ್ಷೆ, ಜೂನ್, 2019

**S. S. L. C. EXAMINATION, JUNE, 2019**

# ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

# MODEL ANSWERS

ದಿನಾಂಕ : 25. 06. 2019 ] ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H**

Date : 25. 06. 2019 ] CODE NO. : **06-H**

# ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

# Subject : First Language — HINDI

**( ಹೊಸ ಪಠ್ಯಕ್ರಮ / New Syllabus )**

**(ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಖಾಸಗಿ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / Private Repeater)**

[ ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : 125

[ Max. Marks : 125

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| | **विभाग - "A"**<br>**( गद्य, पद्य एवं पूरक वाचन )** | |
| I. | **एक-एक** वाक्य में उत्तर लिखिए : | 16 × 1 = 16 |
| 1. | लाला झाऊलाल ने अपनी विपदा किसे सुनाई ? | |
| | **उत्तर :** लाल झाऊलाल ने पं० बिलवासी मिश्र को अपनी विपदा सुनाई । | 1 |
| 2. | गाँधीजी को दक्षिण अफ्रिका क्यों जाना पड़ा ? | |
| | **उत्तर :** अब्दुल्ला एण्ड कम्पनी के मुकदमें की पैरवी के लिए गाँधीजी को दक्षिण अफ्रिका जाना पड़ा । | 1 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| 3. | इटली के प्रसिद्ध देशभक्त का क्या नाम था ? | |
| | **उत्तर :** इटली के प्रसिद्ध देशभक्त का नाम मेज़िनी था । | 1 |
| 4. | सिपाही ने सरायवाले को चवन्नी क्यों दी ? | |
| | **उत्तर :** सिपाही अपना बड़प्पन और भाईचारा दिखाने, साथ ही घोड़े की देखभाल के लिए सरायवाले को चवन्नी दी । | 1 |
| 5. | तावीज़ कैसा था ? | |
| | **उत्तर :** तावीज़ मंत्रों से सिद्ध था । | 1 |
| 6. | भण्डारी जी बचपन में कैसी थीं ? | |
| | **उत्तर :** भण्डारी जी बचपन में दुबली, काली और मरियल सी थीं । | 1 |
| 7. | पिछड़ा आदमी चुप कब रहता था ? | |
| | **उत्तर :** जब सब बोलते हैं तो पिछड़ा आदमी चुप रहता था । | 1 |
| 8. | अक्कमहादेवी के अनुसार खोट किनमें नहीं रहता ? | |
| | **उत्तर :** अक्कमहादेवी के अनुसार खोट बच्चों में नहीं रहता । | 1 |
| 9. | नेपोलियन ने ज्योतिषी से क्या कहा ? | |
| | **उत्तर :** नेपोलियन ने ज्योतिषी से कहा, ''मैं अपने भाग्य का निर्माता स्वयं हूँ ।'' | 1 |
| 10. | जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग कौन-सा है ? | |
| | **उत्तर :** जीवन में सफलता के लिए आलस्य और भाग्यवादिता का दामन छोड़कर कठिन परिश्रम करना ही एकमात्र मार्ग होता है । | 1 |
| 11. | हेलेन केलर के अनुसार 'प्रकृति का जादू' क्या है ? | |
| | **उत्तर :** प्रकृति का सौंदर्य और उसमें होनेवाल दिन प्रतिदिन के बदलाव को प्रकृति का जादू कहा गया है । | 1 |
| 12. | गाँधीजी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ? | |
| | **उत्तर :** गाँधीजी का जन्म सन् 1869, 2 अक्तूबर को पोरबन्दर नामक नगर में हुआ । | 1 |
| 13. | कबीर के अनुसार भगवान का निवास स्थान कहाँ होता है ? | |
| | **उत्तर :** कबीर के अनुसार भगवान का निवास स्थान मानव के हृदय में होता है । | 1 |
| 14. | तीसरे महाशय को राष्ट्रीय काम से ज्यादा जरूरी काम क्या था ? | |
| | **उत्तर :** तीसरे महाशय को राष्ट्रीय काम से ज्यादा जरूरी काम आनंद का क्षण पाना था, जो उन्हें ''कबूतरों के मैच'' देखने से मिलता है । | 1 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| 15. | सद्‌गुणों से क्या मिलता है ? | |
| | **उत्तर :** सद्‌गुणों से सुख मिलता है । | 1 |
| 16. | नेपोलियन और उसकी बहन के चरित्र में क्या अंतर था ? | |
| | **उत्तर :** नेपोलियन के चरित्र में सच्चाई दिखाई देती है । उसकी बहन के चरित्र में पलायनवाद दिखाई देती है । | 1 |
| II. | **दो-तीन** वाक्यों में उत्तर लिखिए : | 16 × 2 = 32 |
| 17. | गाँधीजी के परिवार का परिचय दीजिए । | |
| | **उत्तर :** गाँधीजी के पिता का नाम श्री करमचंद गाँधी था । माता का नाम पुतली बाई था । इनके पिता राजकोट के दीवान थे । इनके माता-पिता धर्मभीरु आर आचार-विचारों के पालक थे । इनकी पत्नी कस्तूरबा थीं । | 2 |
| 18. | एशिया के एक प्रसिद्ध जीवन शास्त्री जिंदगी के बारे में क्या कहते हैं ? | |
| | **उत्तर :** एशिया के एक प्रसिद्ध जीवन शास्त्री का कहना है कि जिंदगी संघर्षों से भरी हुई है । एक के बाद एक खींचतान लगी ही रहती है और चैन नहीं मिल पाता, इसलिए जीवन में उन क्षणों की बहुत कीमत है, जो जीवन को गुदगुदा दे और खींचतान की तेज़ी को भुला दे । | 2 |
| 19. | बिदेसिया लोकगीत के बारे में आप क्या जानते हैं ? | |
| | **उत्तर :** भोजपुरी में करीब तीस-चालीस बरसों से 'बिदेसिया' का प्रचार हुआ है । गाने वालों के अनेक समूह इन्हें गाते हुए देहात में फिरते हैं । उधर के जिलों में विशेषकर बिहार में बिदेसिया से बढ़कर दूसरे गाने लोकप्रिय नहीं हैं । इन गीतों में अधिकतर रसिक प्रियों और प्रियाओं की बात रहती है, परदेशी प्रेमी की और इनसे करुणा और विरह का रस बरसता है । | 2 |
| 20. | 'समा बंध गया' के लेखक ने ग्राम्य जीवन का वर्णन कैसे किया है ? | |
| | **उत्तर :** गाँवों में लकड़ी के छोटे-छोटे घर, चारों ओर फल-सब्जियों के बाग, घरों के पास गाय, घोड़े, मुर्गी आदि घ्म रहे थे । सिर पर सफेद कपड़ा बाँधे और गाउन पहने स्वस्थ रूसी युवतियाँ घर के कामकाज करती नजर आती हैं । | 2 |
| 21. | कोलकात्ता के आश्रम में कुत्ते ने कैसा बर्ताव किया था ? | |
| | **उत्तर :** गुरुदेव का चिताभस्म कलकत्ते से आश्रम म लाया गया, उस समय न जाने किस सहज बोध के बल पर कुत्ता आश्रम के द्वार तक आया और चिताभस्म के साथ अन्यान्य आश्रमवासियों के साथ शांत गंभीर भाव से उत्तरायण तक गया । कुत्ता चिताभस्म के कलश के पास थोड़ी देर चुपचाप बैठा भी रहा । | 2 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| 22. | कवि के अनुसार जग का नव निर्माण कैसे करें ? | |
| | **उत्तर :** कवि कहते हैं कि समाज में समानता लाकर, जो रोगी है उसका रोग मिटाकर, जो दुःखी है उसका दुःख मिटाकर, जो पतित है उसको पावन बनाकर, कर्म में लीन होकर, उत्थान मार्ग को अपना कर्त्तव्य मानकर, नई उमंग से, नये प्राणों के संचार से, एकता से, निःस्वार्थ भाव से और स्वावलंबन से जग का नव निर्माण करें । | 2 |
| 23. | अनदेखे अरूप ने प्यार का अर्थ कैसे बताया ? | |
| | **उत्तर :** अनदेखे अरूप ने प्यार का अर्थ बताते हुए कहा कि ये सब चीज़ें-ये अकेलापन, अकुलाहट, दुविधा, अचकचाहट, आर्त अनुभव, खोज, द्वैत, असहाय, विरह व्यथा, अंधकार आदि ही प्यार है । | 2 |
| 24. | संत कवि रैदास का नाम 'रविदास' क्यों रखा गया ? | |
| | **उत्तर :** संत कवि रैदास का जन्म काशी के पास गाँव में माघ पूर्णिमा के दिन हुआ था । इस दिन रविवार था इसलिए नवजात शिशु का नाम रविदास रखा गया जो बोल-चाल की भाषा में 'रहदास' या रैदास हो गया । | 2 |
| 25. | स्काउट और गाइड के प्रमुख नियम क्या हैं ? | |
| | **उत्तर :** विश्वसनीयता, वफ़ादारी, मित्रता, अनुशासनप्रियता, साहस, उच्चतम कर्मठ भावना, सच्ची देशभक्ति, सजगता, दयाभाव आदि स्काउट और गाइड के प्रमुख नियम हैं । | 2 |
| 26. | कीव शहर के बारे में लेखक ने क्या कहा है ? | |
| | **उत्तर :** नदी के किनारे पहाड़ को छूती हुई रेलवे लाइन दूर तक जाती है । नदी के ऊपर एक बुहत बड़ा पुल है । नदी के किनारे से कीव स्टेशन लगभग डेढ़ मील दूर है । शहर के मकान आदि पुल से ही नज़र आने लगते हैं । गर्मी की इस दोपहरी में हज़ारों लोग जल में तैर रहे हैं । कुछ लोग छोटी-छोटी नावों में मछली पकड़ने का काँटा लिए बैठे हैं । मोटर बोटें तेज़ी से दौड़ रही हैं । | 2 |
| 27. | हमारा देश स्वर्ग के लिए ईर्ष्या-स्थान कैसे बना है ? | |
| | **उत्तर :** हमारा दश इतना सुन्दर है कि इसके उत्तर में हिमालय प्रहरी है, दक्षिण में सागर पैरों को धो रहा है, गंगा-यमुना जैसी नदियाँ देश को हरी-भरी करती हैं । अतः स्वर्ग भी ईर्ष्या करे ऐसा प्राकृतिक सौदर्य यहाँ का है । | 2 |
| 28. | पहाड़ी लोकगीत के बारे में लिखिए । | |
| | **उत्तर :** पहाड़ियों के अपने-अपने गीत हैं । उनके अपने-अपने भिन्न रूप होते हुए भी अशास्त्रीय होने के कारण उनमें अपनी एक समान भूमि है । गढ़वाल, किन्नौर, काँगड़ा आदि के अपने-अपने गीत और उन्हें गाने की अपनी-अपनी विधियाँ हैं । उनका अलग नाम ही ''पहाड़ी'' पड़ गया है । | 2 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| 29. | पिछड़े आदमी और दूसरे लोगों के खाना खाने का ढंग कैसा था ?<br>**उत्तर :** जब सब पेटुओं की तरह खाते हैं तब पिछड़ा आदमी अलग सबसे दूर बैठा आहिस्ता से थोड़ा सा खाता था । | 2 |
| 30. | 'परिश्रम सफलता की कुंजी है' – कैसे ? बताइए ।<br>**उत्तर :** परिश्रम ही जीवन संघर्ष में सफलता ला सकता है और इसके सहारे मनुष्य सफलता के हर शिखर का स्पर्श कर सकता है । | 2 |
| 31. | ''जीवन संघर्षमय है लेकिन उसको आनंदमय बनाना अपने ही हाथों में है ।'' स्पष्ट कीजिए ।<br>**उत्तर :** जीवन में गुदगुदानेवाले क्षणों का बहुत महत्व है । ऐसे कुछ क्षणों को जन्म देने का कोई निश्चित तरीका नहीं है, मात्र इन संघर्षमय पलों में भी सुख प्राप्ति की तलाश होनी चाहिए, जो हमारे मन को अनायास ही पुलकित कर जाती है । जीवन में खींचतान लगी रहती है, लेकिन उसको आनंदमय बनाना अपने ही हाथ में है । | 2 |
| 32. | आप सामाजिक कुरीतियों का निवारण कैसे कर सकते हैं ?<br>**उत्तर :** तन, मन, प्राण सबको सदियों के आडंबर से मुक्त करके, विजय वरण हित नूतन शर संधान करके, जाति-पाँति, ऊँच-नीच, आर्थिक व सामाजिक विषमता आदि सामाजिक कुरीतियों को हम मिलकर निवारण कर सकते हैं । | 2 |
| III. | संदर्भ के साथ व्याख्या : | 6 × 3 = 18 |
| 33. | ''अच्छा, पहले अपने पाँच सौ रुपये गिनकर सहेज लीजिए ।''<br>i) पाठ का नाम :<br>ii) लेखक का नाम :<br>iii) व्याख्या :<br>**उत्तर :**<br>i) अकबरी लोटा<br>ii) श्री अन्नपूर्णानंद वर्मा<br>iii) उपर्युक्त वाक्य को पंडित बिलवासी जी, लाला झाऊलाल से कहते हैं । जब सारा किस्सा निपट गया और पंडित जी निकल रहे थे तब लाला झाऊलाल उन्हें रोकते हुए कहते हैं कि अभी धन्यवाद और शाबाशी देने में दो घण्टे लगेंगे । तब पंडित जी उपयक्त वाक्य कहते हैं क्योंकि रुपया अगर अपना हो तो उसे सहेजना एक ऐसा सुखद और सम्मोहक कार्य है कि मनुष्य उस समय सहज में ही तन्मयता प्राप्त कर लेता है । | 3 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| 34. | ''मर अभागे, तू मुझे और क्या-क्या दिखाएगा'' ?<br>i) पाठ का नाम :<br>ii) लेखक का नाम :<br>iii) व्याख्या :<br>**उत्तर :**<br>i) अपना-पराया<br>ii) जैनेन्द्र जी<br>iii) दु:खी माँ बच्चे को डाँटते हुए उपर्युक्त वाक्य कहती हैं । सिपाही के कहने पर भटियारा माँ से बच्चे को चुप कराने को कहता है और कल निकल जाने की भो सलाह दी । दुखी माँ बच्चे को दो-तीन चपत लगाती हैं और इस पर बच्चा चिल्लाने लगा, आवाज़ और प्रबल हुई तो माँ सिसकतो हुई उपर्युक्त वाक्य कहती सुनाई देती है । | 3 |
| 35. | ''आई एम रिअली प्राउड ऑफ यू''<br>i) पाठ का नाम :<br>ii) लेखक का नाम :<br>iii) व्याख्या :<br>**उत्तर :**<br>i) एक कहानी यह भी<br>ii) मन्नु भण्डारी<br>iii) इस वाक्य को डॉ० अंबालाल ने मन्नु जी से कहा । स्वाधीनता संग्राम पूरे उफ़ान पर था । हर तरफ हड़तालें, जुलूस और नारेबाज़ी हो रही थी । पिता की नाराज़गी के बावजूद मन्नु जी पूरे उत्साह के साथ आंदोलन में कूद पड़ीं । वे चौराहों पर बेझिझक भाषण देने लगीं । ऐसे सक्रिय योगदान अदा करते समय एक बार उनके पिताजी के दोस्त (अंबालाल) मन्नुजी के भाषण चौराहे पर सुनकर घर आकर उनकी प्रशंसा करते हुए इस वाक्य को कहते हैं । | 3 |
| 36. | ''अज्ञानियों से स्नेह करना मानों पत्थर से चिनगारी निकालना है ।''<br>i) कवि का नाम :<br>ii) पद्य का नाम :<br>iii) व्याख्या :<br>**उत्तर :**<br>i) अक्कमहादेवी<br>ii) अक्कमहादेवी के वचन<br>iii) अक्कामहादेवी अपने वचन में बराइयों में भी अच्छाई पाने का आशय व्यक्त करते हुए कहती हैं – अज्ञानियों से स्नेह करने से स्वय की वृद्धि होती है क्योंकि उन्हें सुधारते-सुधारते स्वयं बहत कुछ सीख जाते हैं । यहाँ पत्थर अर्थात् अज्ञानी, चिनगारी अर्थात् उसे सशक्त बनाना । | 3 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| 37. | ''देखा तुमने यह आ गए ।''<br>i) पाठ का नाम :<br>ii) लेखक का नाम :<br>iii) व्याख्या :<br>**उत्तर :**<br>i) एक कुत्ता और एक मैना<br>ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी<br>iii) इस वाक्य को गुरुदेव ने द्विवेदी जी से कहा – कुत्ता शांतिनिकेतन से अपने आप श्रीनिकेतन आया । धीरे-धीरे ऊपर आया और रवीन्द्र जी के पैरों के पास खड़ा होकर पूँछ हिलाने लगा । कुत्ते को देख गुरुदेव द्विवेदी जी से कहते हैं - कैसे इन्हें मालूम हुआ कि मैं यहाँ हूँ - और देखो कितनी परितृप्ति इनके चेहरे पर दिखाई दे रही है । | <br><br><br><br><br>$\frac{1}{2}$<br>$\frac{1}{2}$<br>2 |
| 38. | ''सबसे उधार मांगा, सबने दिया<br>यों मैं जिया और जीता हूँ''<br>i) कवि का नाम :<br>ii) कविता का नाम :<br>iii) व्याख्या :<br>**उत्तर :**<br>i) सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'<br>ii) सवेरे उठा तो धूप खिली थी ।<br>iii) इन पक्तियों को कवि ने वाचकों से कहा है – जब कवि सुबह उठकर प्रकृति का मोहक दृश्य देखकर आनंद से धूप से गरमाई, चिड़िया से मिठास, आकाश से असीमता, हवा से खुलापन, घास से हरियाली उधार मांगता है तो सब देते हैं । इस संदर्भ में इस पद्यांश का वर्णन हुआ है । | 3 |
| IV. | लेखक / कवि परिचय : | 2 × 3 = 6 |
| 39. | हरिशंकर परसाई :<br>i) जन्म-काल :<br>ii) कृतियाँ :<br>iii) अन्य जानकारियाँ : | |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| | **उत्तर :** | |
| | i) सन् 1924 ई० | |
| | ii) भोलाराम का जीव, चावल से होरों तक, कचरे में, एक बेकार घाव, सड़क बन रही है, पोस्टरी एकता, निठल्ले की डायरी । | |
| | iii) हरिशंकर परसाई श्रेष्ठ व्यंग्य कहानीकार हैं । एम०ए० होने के पश्चात् कुछ दिनों तक आपने अध्यापन कार्य किया । तदनंतर साहित्य सृजन में जुट गए । व्यंग्य उनकी लेखन कला का प्राण है । सभी क्षेत्रों की विसंगतियाँ आपकी कहानियों में प्रतिफलित हुई हैं । | 3 |
| 40. | डॉ० इकबाल : | |
| | i) जन्म-काल : | |
| | ii) उपाधि : | |
| | iii) अन्य जानकारियाँ : | |
| | **उत्तर :** | |
| | i) सन् 1873 ई० से 1938 तक | $\frac{1}{2}$ |
| | ii) अल्लामा | $1\frac{1}{2}$ |
| | iii) डॉ० इकबाल उर्दू साहित्य के सर्वश्रेष्ठ कवि हैं । आपका पूरा नाम महम्मद इकबाल नूरमहम्मद शेख है । आप लंदन के केंब्रिज विश्वविद्यालय के कला स्नातक थे । आप विधि पदवी प्राप्त करके बैरिस्टर बने । जर्मनी के म्यूनिक् विश्वविद्यालय से आपने पी-एच०डी० की उपाधि भी प्राप्त की । | 1 |
| V. | पद्य भाग की पूर्ति : | 1 × 4 = 4 |
| 41. | पैदा कर जिस ..........................................................................<br>..........................................................................<br>..........................................................................<br>.................................................................. स्वजीवन सारा । | |
| | **अथवा** | |
| | जग में सुख ..........................................................................<br>..........................................................................<br>..........................................................................<br>.................................................................. गले लगाना । | |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| | **उत्तर :** पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला-पोसा । | 1 |
| | किये हुए है वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा । | 1 |
| | उससे होना उऋण प्रथम है सत्कर्त्तव्य तुम्हारा । | 1 |
| | फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा । | 1 |
| | **अथवा** | |
| | जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है । | 1 |
| | वही जगाता है सद्‌गुण को सद्‌गुण लाता सुख है । | 1 |
| | बाधा, विघ्न, विपत्ति, कठिनता जहाँ-जहाँ सुन पाना । | 1 |
| | सबके बीच निडर हो जाना दुख को गले लगाना । | 1 |
| VI. | पद्य भाग का सारांश : | 1 × 4 = 4 |
| 42. | जिनि ढूँढ़ा तिनी पाइयाँ, गहरे पानी पैठि।<br>हौ बौरी डूबन डरी, रही किनारे बैठि ।। | |
| | **अथवा** | |
| | साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय ।<br>सार सार को गहि रहै, थोथा देई उड़ाय ।। | |
| | **उत्तर :** कवि – कबीरदास<br>विशेषता – परिश्रम का महत्व, भक्ति की महत्ता<br>कबीरदास कहते हैं कि गहरे पानी में गोता लगाकर जिसने ढूँढ़ा उसी ने पाया । मोती ढूँढ़नेवाले समुद्र के तल तक पहुँचकर ही मोती लाते हैं उसी तरह परमात्मा रूपी मोती को पाने के लिए भगवद् प्रेम रूपी सागर में डूबकी लगानी चाहिए । डूबने के डर से किनारे बैठने से मोती प्राप्त नहीं होते । | 4 |
| | **अथवा** | |
| | कवि – कबीरदास<br>विशेषता – साधु स्वभाव<br>कबीरदास का कहना है - साधु का स्वभाव सूप जैसा होना चाहिए, जिस प्रकार सूप सार वस्तु को थोथे से अलग करता है, उसी प्रकार साधु को चाहिए कि केवल सार को ग्रहण करे और असार को छोड़ दे । | 4 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| VII. | **आठ-दस** वाक्यों में उत्तर : | 3 × 4 = 12 |
| 43. | ''रुपये की महानता'' का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।<br>**अथवा**<br>रुपये की झनझनाहट का वर्णन कैसे किया गया है ? स्पष्ट कीजिए। | |
| | **उत्तर :** रुपया हमारा गुलाम होना चाहिए, मगर रुपये के गुलाम हम बन गये हैं । रुपया हर एक का सहारा है । दुनिया रुपयों से दबती है । रुपया ईश्वर है, सत्य है, शिव और सुन्दर है । रुपया सप्त स्वरों से ऊपर अष्टम स्वर है, मधुर है । तारन-तरन है, धवल-हरण है, रुपया मंगलचरण है । रुपया राजा, बादशाह है । रुपयों से वरदान लेकर पाप करने पर देवताओं से पूजे जायेंगे, क्योंकि रुपया सर्वशक्तिशाली है । रुपया हमें नचाता है । | 4 |
| | **अथवा**<br>बेचन शर्मा उग्रजी 'रुपया बोलता है' लेख द्वारा रुपये के बीभत्स रूप को सामने लाते हैं । पैसा जब तक मनुष्य का गुलाम बनकर रहता है, तब तक उसका सदुपयोग होगा । रुपया बोलने लगेगा ता अचातुर्य हो जाएगा । रुपये की झनझनाहट में जो अलौकिक मधुरिमा है, वो वीणापाणि की वीणा, भगवान् लक्ष्मीपति के पाँचजन्य शंख, कोकिल-कल-काकली, कामिनी के कोमल कण्ठ, मुरलीधर की मुरली, डमरू वाले के डमरू में भी नहीं है । संसार में सबसे मधुर ध्वनि, संतृप्ति देनेवाली ध्वनि रुपयों की ही है । यह सप्त स्वरों से ऊपर अष्टम स्वर है । परम मधुर है । | 4 |
| 44. | कर्नाटक विद्यावर्धक संघ की प्रगति में वेंकटराव जी के योगदान के बारे में लिखिए ।<br>**अथवा**<br>वेंकटराव के जीवन का अभूतपूर्व दिव्यदर्शन का वर्णन कीजिए । | |
| | **उत्तर :** कन्नड भाषा की अभिवृद्धि तथा कर्नाटक के हित की रक्षा के लिए 1890 में स्थापित कर्नाटक विद्यावर्धक संघ ने उत्तर कर्नाटक में काफी जागृति उत्पन्न की थी । संघ की प्रगति के लिए वेंकटरावजी ने कन्नड अध्यापकों से संपर्क बढ़ाया । संघ के कार्यों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जिसके परिणाम स्वरूप धीरे-धीरे संघ में प्राणों का संचार होने लगा । कर्नाटक एकीकरण का विचार भी वेंकटराव के मन में उठा । संघ की मुखपत्रिका थी 'वागभूषण' खंडित कर्नाटक को अखण्ड कर्नाटक में परिवर्तित किया । भुवनेश्वरी के श्रीचरणों में पहला कर्नाटक राज्योत्सव मनाया । इस तरह हर वर्ष मनाये जानेवाले कर्नाटक राज्योत्सव का शुभारंभ भी वेंकराव जी ने ही किया । इन सब में कर्नाटक विद्यावर्धक संघ का बड़ा योगदान था । | 4 |
| | **अथवा** | |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| | परीक्षा समाप्त करके वेंकटराव को आलूर में अपनी छुट्टियाँ बिताते समय एक दिन अपने घर के कुल-पुरोहित के साथ 'नव वृन्दावन' जाने का अवसर मिला । वहाँ तुगंभद्रा के प्रशान्त तट पर व्यासराय और अन्य माध्व यतियों की समाधियों का दर्शन, हम्पी उत्खनन के बारे में जानकारी प्राप्त करना, समझ में आना कि विजयनगर की राजधानी हम्पी थी, दूसरे दिन खुद नदी पार करके वेंकटराव विरुपाक्ष मंदिर गए । ऐसा लगा कि पंपानाथ तथा पंपांबिका की मूर्तियाँ प्रसन्नता से उन्हें देख रही हैं । बगल में जो भुवनेश्वरी के मंदिर की मूर्ति थी उसे देखकर ऐसा लगा जैसे उसमें प्राणों का संचार हुआ हो । यह एक अभूतपूर्व दर्शन था । इस यात्रा से वेंकटराव के जीवन में नया मोड़ आया । | |
| 45. | पुरुषोत्तम के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।<br>**अथवा**<br>''मनुष्यता सभी धर्मों से बड़ा है'' – 'सच्चा धर्म' पाठ के आधार पर इस कथन का समर्थन कीजिए । | |
| | **उत्तर :** पुरुषोत्तम दिल्ली निवासी एक महाराष्ट्री ब्राह्मण है । साठ वर्ष की उम्रवाले साधारण शरीर के मनुष्य थे । मुखं पर बड़ी मुँछें, सिर पर श्वेत चंदन का त्रिपुण्ड लगा हुआ, वक्षस्थल पर यज्ञोपवीत । साथ में वह एक स्वामीनिष्ठ और धार्मिक मनोभाव वाले थे । हर सुबह उठकर पूजा-पाठ के बाद ही अन्य काम किया करते थे । ये सत्य वचन के लिए भी जाने जाते थे । इनके प्रकार धर्म किसी निश्चित नियमों का पालन नहीं कर सकता, समय के साथ धर्म का स्वरूप बदलता है । उनके जीवन में एक समय ऐसा आया कि उनको अपनी स्वामीनिष्ठा और धर्म में एक को चुनना पड़ा लेकिन बड़ी समझदारी से धम के दायरे में स्वामीनिष्ठा को चुना । कभी-कभी असत्य से धर्म को रक्षा होती है, मनुष्यत्व सब धर्मों से बड़ा है । | 4 |
| | **अथवा**<br>'सच्चा धर्म' एकांकी में राष्ट्रवीर शिवाजी अपने पुत्र संभाजी को पुरुषोत्तम नामक सत्यवादी ब्राह्मण के संरक्षण में छोड़ जाते हैं । तत्कालीन भारत में मुगल सम्राट औरंगजेब का दबदबा था । औरंगजेब के दो सैनिक पुरुषोत्तम के यहाँ ठहरे संभाजी पर आशंका के चलते हुए, पुरुषोत्तम के यहाँ आ पहुँचते हैं । लेकिन पुरुषोत्तम एक पक्का ब्राह्मण होने के उपरांत भी जाति-पाँति, ऊँच-नीच, छुआ-छूत सबका विचार छोड़कर मुगल सैनिक के सामने संभाजी के साथ खाना खाते हैं । शिवाजी की अमानत की रक्षा करते हैं । पुरुषोत्तम ने दिखाया है कि सच्चा धर्म वही है जिससे समाज के अधिक से अधिक व्यक्तियों का भला हो । समय के साथ-साथ धर्म का स्वरूप भी बदलता जाता है । मनुष्यता सभी धर्मों से बड़ा है । | 4 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| | **विभाग - "B"**<br>**( व्याकरण, अलंकार एवं छन्द )** | |
| VIII. | सही उत्तर चुनना : | 10 × 1 = 10 |
| 46. | 'पर्वतावली' शब्द में संधि है –<br>(A) दीर्घ (B) गुण<br>(C) व्यंजन (D) यण् ।<br>**उत्तर :** (A) दीर्घ | 1 |
| 47. | 'कृतज्ञ' शब्द का विलोम शब्द है –<br>(A) कृपालु (B) ज्ञान<br>(C) कृतघ्न (D) तत्वज्ञानी ।<br>**उत्तर :** (C) कृतघ्न | 1 |
| 48. | 'ऋतु' शब्द का अन्य वचन है –<br>(A) मौसम (B) ऋतुएँ<br>(C) ऋतु (D) ऋतुमय ।<br>**उत्तर :** (B) ऋतुएँ | 1 |
| 49. | 'नूतन' शब्द का पर्यायवाची शब्द है –<br>(A) नया (B) नयन<br>(C) प्राचीन (D) नौका ।<br>**उत्तर :** (A) नया | 1 |
| 50. | निम्नलिखित में 'भाववाचक संज्ञा रूप' है –<br>(A) लेख (B) लिखावट<br>(C) लेखक (D) लिखाना ।<br>**उत्तर :** (B) लिखावट | 1 |
| 51. | 'धोना' का द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया रूप है –<br>(A) धुलना (B) धोना<br>(C) धुलवाना (D) धुलाई ।<br>**उत्तर :** (C) धुलवाना | 1 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| 52. | 'गरमाहट' शब्द से जुड़ा प्रत्यय है — | |
| | (A) गरम (B) रमा | |
| | (C) हट (D) आहट । | |
| | **उत्तर :** (D) आहट | 1 |
| 53. | निम्नलिखित में स्त्रीलिंग शब्द है — | |
| | (A) विधुर (B) विधवा | |
| | (C) श्रीमान (D) वर । | |
| | **उत्तर :** (B) विधवा | 1 |
| 54. | बच्चे ………… बाप का पता नहीं है – वाक्य के लिए उचित कारक चिह्न है — | |
| | (A) के (B) में | |
| | (C) पर (D) ने । | |
| | **उत्तर :** (A) के | 1 |
| 55. | मजदूर लोग परिश्रम से पैसे <u>कमाते</u> हैं – रेखांकित शब्द है — | |
| | (A) संज्ञा (B) सर्वनाम | |
| | (C) क्रिया (D) विशेषण । | |
| | **उत्तर :** (C) क्रिया | 1 |
| IX. | तीसर शब्द से संबंधित शब्द : | 4 × 1 = 4 |
| 56. | प्रतिदिन : अव्ययीभाव समास :: त्रिपुण्ड : ……………………………… । | |
| | **उत्तर :** द्विगु समास । | 1 |
| 57. | जो चिकित्सा देता है : चिकित्सक :: जो विदेश में रहता है : ……………… । | |
| | **उत्तर :** विदेशी । | 1 |
| 58. | देशभक्त शहीद हुआ : भूतकाल :: देशभक्त जंग जीतेगा : …………………. । | |
| | **उत्तर :** भविष्यत् काल । | 1 |
| 59. | राम <u>तेज़</u> दौड़ता है : क्रिया विशेषण :: राम <u>बुद्धिमान</u> है : …………………… । | |
| | **उत्तर :** विशेषण । | 1 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| X. | छन्द पहचानिए : | 3 |
| 60. | निज दुख गिरि सम रज करि जाना । | |
| | **उत्तर :** | 1 |
| | \| \| \| \| \| \| \| \| \| \| \| \| ऽ ऽ<br>निज दुख गिरि सम रज करि जाना ।<br>(16) | 1 |
| | यह चौपाई छन्द का उदाहरण है । इसमें चार चरण होते हैं । इसके प्रत्येक चरण में सोलह मात्राएँ होती हैं । प्रत्येक चरण के अन्त में यति होती है । | 1 |
| XI. | अलंकार पहचानिए : | 3 |
| 61. | जाहि अनादि, अनन्त, अखण्ड, अछेद, अभेद बनावै । | |
| | **उत्तर :** | |
| | जाहि <u>अ</u>नादि, <u>अ</u>नन्त, <u>अ</u>खण्ड, <u>अ</u>छेद, <u>अ</u>भेद बनावै । | $1\frac{1}{2}$ |
| | ✱ अनुप्रास अलंकार | |
| | ✱ इसमें 'अ' अक्षर की आवृत्ति पाँच बार हुई है । इसलिए व्यंजनों की पुनरावृत्ति के कारण यहाँ अनुप्रास अलंकार है । | $1\frac{1}{2}$ |
| | **विभाग – "C"**<br>**( वाक्य, पत्र लेखन एवं निबंध रचना )** | |
| XII. | अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग : | $2 \times 1\frac{1}{2} = 3$ |
| 62. | (a) ईद का चाँद होना । | |
| | (b) नाक काटना । | |
| | **उत्तर :** | |
| | a. अर्थ : बहुत कम दिखना / दुर्लभ नज़र आना | $\frac{1}{2}$ |
| | वाक्य : आज के ज़माने में सच्चाई जैसे ईद का चाँद हो गया है । | 1 |
| | b. अर्थ : अपमान करना | $\frac{1}{2}$ |
| | वाक्य : हमें अपने कृत्यों और विचारों से बड़ों का नाक काटना नहीं चाहिए । | 1 |
| XIII. | पत्र लेखन : | $1 \times 5 = 5$ |
| 63. | बीमारी का कारण बताते हुए प्रधानाचार्य को चार दिनों की छुट्टी हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए । | |
| | **अथवा** | |
| | समय का सदपयोग बताते हुए अपने छोटे भाई के नाम पत्र लिखिए । | |

<table>
<tr><th>प्रश्न संख्या</th><th>सही उत्तर</th><th>अंक</th></tr>
<tr><td></td><td>उत्तर :<br>छुट्टी पत्र :<br>स्थान :<br>दिनांक : } $\frac{1}{2}$<br>प्रेषक : $\frac{1}{2}$<br>सेवा में : $\frac{1}{2}$<br>संबोधन : $\frac{1}{2}$<br>विषय : $\frac{1}{2}$<br>कलेवर ( Body of the letter ) $1\frac{1}{2}$<br>समापन : $\frac{1}{2}$<br>हस्ताक्षर : $\frac{1}{2}$<br>अथवा<br>भाई के नाम पत्र :<br>स्थान : $\frac{1}{2}$<br>दिनांक : $\frac{1}{2}$<br>संबोधन : $\frac{1}{2}$<br>कलेवर ( Body of the letter ) 2<br>पता (सेवा में) : $\frac{1}{2}$<br>समापन : $\frac{1}{2}$<br>हस्ताक्षर : $\frac{1}{2}$</td><td>5</td></tr>
<tr><td>XIV.<br>64.</td><td>निबंध लेखन :<br>किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए :<br>i) हमारे राष्ट्रीय पर्व<br>ii) स्वच्छ भारत अभियान<br>iii) दूरदर्शन ।<br>उत्तर :<br>(i) प्रस्तावना $\frac{1}{2}$<br>(ii) विषय प्रवेश 1<br>(iii) विषय विस्तार 3<br>(iv) समापन / उपसंहार । $\frac{1}{2}$</td><td>1 × 5 = 5</td></tr>
</table>